ध्येय पथ

सत्रः– 2025–26

दिसम्बर माह

सम्पादक–

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
श्रीमती विभा सिंह
श्री हरिकेश यादव

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का संस्थापक समारोह (उद्घाटन एवं शोभा यात्रा)

04 से 10 दिसम्बर तक प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। इस सप्ताहिक समारोह के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि उत्तर

प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) योगेन्द्र डिमरी उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभायात्रा के उद्घाटन के अवसर पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा में छात्र/छात्राओं द्वारा मुख्य ध्वज वाहक के निर्देशन में 'बैण्ड' तथा 'हम है भारत के अग्निवीर दल' और एन.सी.सी. के साथ मनमोहक शोभायात्रा निकाली गई। साथ ही बी.–एड. विभाग द्वारा संचालित 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट 2021–25 का विमोचन किया गया। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिता में बढ़–चढकर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की।

सशस्त्र बल झंडा दिवस–

07 दिसम्बर को 'सशस्त्र बल झंडा दिवस' के अवसर पर एन.सी.सी. के तत्वावधान में 'ध्वजारोहण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एन.सी.सी. के केयर टेकर श्री अनूप पाण्डेय और समस्त केडेट्स उपस्थित रहे।

जनजागरूकता रैली

08 दिसम्बर के गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिग्रहित ग्राम नौका टोला में शीतऋतु के दौरान होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं तथा उनके प्रभावी समाधान के प्रति सचेत करने हेतु जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण)

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह एवं उत्तर प्रदेश केयशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी

आदित्यनाथ जी महाराज के कर–कमलों द्वारा छात्र/छात्राओं को योग्यता छात्रवृत्ति, विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र सहित पुरस्कार, शोभा यात्रा में श्रेष्ठ पथ संचलन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सभी संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम संस्था सहित श्रेष्ठतम शिक्षक, श्रेष्ठतम कर्मचारी तथा श्रेष्ठतम परिचायक को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की बी.एड. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह को श्रेष्ठतम शिक्षक का पुरस्कार प्राप्त हुआ साथ ही इनकी पुस्तक 'जीवन मल्य' का विमोचन किया गया।

योग्यता छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरण समारोह

11 दिसम्बर को महाविद्यालय में योग्यता छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने–अपने कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को महायोगी गुरू गोरक्षनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र द्वारा नगद छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आँचल सिंह, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर शीतल वर्मा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, बिट्टू चौहान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, दिव्या दूबे बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, गरिमा यादव बी.ए. पंचम सेमेस्टर सुमित चौरसिया बी.ए. पंचम सेमेस्टर, आदित्य कुमार बैठा बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, रितिका चौहान बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, नंदिनी बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, सचिन शर्मा बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, जान्हवी दूबे बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर,

शुभि बी.एस—सी. पंचम सेमेस्टर, बादल गुप्ता बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, नंदनी बी. काम. प्रथम सेमेस्टर, श्याम सुन्दर स्वामी बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, स्वाती सिंह बी. काम. तृतीय सेमेस्टर, नितिन शर्मा बी. काम. पंचम सेमेस्टर, महक सिंह बी.काम.

पंचम सेमेस्टर, श्रुति अग्रहरि बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर, कृति कुशवाहा बी. सी.ए. प्रथम सेमेस्टर कार्तिक सिंह बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर, आदित्य पटेल बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर, अपराजिता उपाध्याय बी.सी.ए. पंचम सेमेस्टर, कंचन सिंह बी.सी.ए. पंचम सेमेस्टर, रूचि सिंह बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, अर्चना सिंह बी.बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, अवनीश त्रिपाठी बी.बी.ए. तृतीय सेमेस्टर अल्पना चौधरी बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर, रितिका बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर नेहा सिंह बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, प्रियंका राजभर बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, शक्ति कुशवाहा बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, आयुष कुमार राय एम. एस—सी. प्रथम सेमे., पूजा सिंह एम.एस—सी. प्रथम सेमेस्टर, प्रिंसी यादव एम.एस—सी. तृतीय सेमेस्टर, संजना सिंह एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, दिव्या गुप्ता एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, रिशु राज एम.काम. तृतीय सेमेस्टर, सदानन्द चौहान एम.काम. तृतीय सेमेस्टर को छात्रवृत्ति प्रदान किया गया। कार्यक्रम

की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

चित्रकला प्रतियोगिता कार्यक्रम

11 दिसम्बर को मिशन मंझरिया के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा अभिग्रहित ग्राम मंझरिया के शिक्षण केन्द्र में बी.एड्. छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सुश्री मोनिका को प्रथम स्थान, श्री आदित्य कुमार द्वितीय स्थान एवं सुश्री सौम्या निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह नें किया।

जनजागरूकता रैली

12 दिसम्बर को शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में 'नशा मुक्ति' विषय पर जन जागरूकता रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संरक्षण, पर्यावरण स्वच्छता, अल्कोहल एवं नशीलें पदार्थो से दूर रहने से सम्बन्धित स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर जनमानस को जागरूक किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

शीतकालीन स्वास्थ्य जागरूकता रैली

12 दिसम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में शीतकालीन स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली कार्यक्रम में ठण्ड से बचाव और स्वास्थ्य संरक्षण हेतु ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन रावर्स/रेंजर्स के प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

योगासन कार्यक्रम

15 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में बी.एड्. प्रशिक्षुओं द्वारा शिक्षण केन्द्र पर योगासन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. प्रशिक्षुओं ने ग्रामीण बच्चों को ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, भुजंगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

15 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विजय दिवस की पूर्व संध्या पर '1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध की स्वर्णिम स्मृतियों तथा उसके ऐतिहासिक सामरिक एवं राष्ट्रीय महत्व' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीन कुमार सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने किया।

जागरूकता रैली

16 दिसम्बर को उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम ककरहिया में नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। ग्रामीण वासियों को नशे से होने वाले बिमारियों और पारिवारिक समस्याओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संयोजन अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिवानी सिंह ने किया।

ग्राम्य दर्शन

16 दिसम्बर को 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम केवटहिया में ग्रामीणों को ठण्ड से बचाव से सम्बन्धित जागरूकता अभियान कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का संयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया।

भाषण प्रतियोगिता

20 दिसम्बर को भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष समापन के अवसर पर सुशासन

के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पायल सहानी को प्रथम स्थान, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष कुशवाहा को द्वितीय स्थान तथा बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री आयुष कुशवाहा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन रसायन शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

20 दिसम्बर को भूगोल विभाग द्वारा 'बदलती पृथ्वीः जलवायु एवं मानव' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उदित नारायण पी0जी0कालेज, पडरौना कुशीनगर के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संतोष यादव ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

22 दिसम्बर को गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गणित दिवस के अवसर पर श्री निवास रामानुजन का गणित में योगदान विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप

में सेंट एड्रंयूज कालेज, गोरखपुर के आचार्य तथा विशिष्ट वक्ता के रूप दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज गोरखपुर के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आनंद कुमार मिश्रा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन गणित विभाग के अध्यक्ष श्री पप्पू कुमार गुप्ता ने किया।

ग्राम दर्शन

22 दिसम्बर को 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा अभिग्रहित ग्राम धोधणा में ग्राम भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम वासियों को ठण्ड से होने वाली बिमारियों और उसके बचाव के तरीको से जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन गणित विभाग के अध्यक्ष श्री पप्पू कुमार गुप्ता ने किया।

विधायक वॉलीबाल खेल प्रतियोगिता

30 दिसम्बर को आयोजित विधायक वॉलीबाल खेल प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बालक वर्ग की टीम स्पोर्ट कॉलेज खजांची चौक में हो रहे वॉलीबाल प्रतियोगिता में उपविजेता रही। इस अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने विजयी विद्यार्थीयों को उज्जवल भविष्य की शुभकामना प्रेषित की।

प्राचार्य शिक्षक बैठक

31 दिसम्बर को प्राचार्य शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इसके पश्चात बैठक के द्वितीय एवं तृतीय सत्र में नव नियुक्त प्राचार्य डॉ. मनीष त्रिपाठी ने महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियों, गत वर्ष की योजनाओं और आगामी योजनाओं पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

‘महाविद्यालय समाचार पत्रों में’

मिशन मंझरिया की स्मारिका का बृहस्पतिवार को विमोचन करते सीएम योगी आदित्यनाथ व अन्य। स्रोत-विज्ञप्ति

एमपी पीजी कॉलेज के ‘मिशन मंझरिया’ ने बनाया मुख्यमंत्री योगी को मुरीद

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। 'मिशन मंझरिया', एक गांव के कायाकल्प का ऐसा अभियान जिसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अपना मुरीद बना लिया है। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के बीएड विभाग की ओर से गोद लिए गए मंझरिया गांव में छात्रध्यापकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता व शासन की योजनाओं से संतृप्त करने की दिशा में सेवा की नजीर पेश की है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को सीएम योगी ने मिशन मंझरिया के रूप में एमपी पीजी कॉलेज की सेवा साधना

मिशन मंझरिया को सीएम ने गांव के प्रति जिम्मेदारी की 'मॉडल स्टडी' के रूप में सराहा

को गांव के प्रति संस्था की जिम्मेदारी के 'मॉडल स्टडी' के रूप में खूब सराहा। प्रगति रिपोर्ट की स्मारिका का विमोचन करते हुए सीएम ने कहा था कि गांव के प्रति किसी शैक्षिक संस्था की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए, मिशन मंझरिया इसके लिए एक मॉडल स्टडी है।

मिशन मंझरिया को सीएम से मिली सराहना को लेकर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव का कहना है कि इसकी शुरुआत सीएम योगी की ही प्रेरणा से हुई थी। इसमें 2018 से वर्तमान समय तक 'मिशन मंझरिया' बीएड विभाग की अद्वितीय उपलब्धि है।

ऐसे काम होता है मिशन मंझरिया में

बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह के अनुसार, मंझरिया गांव में 178 परिवारों के अंतर्गत 843 की आबादी है। प्रत्येक परिवार को न सिर्फ मिशन के मूल उद्देश्यों से जोड़ा गया है बल्कि उन्हें पात्रता के अनुसार केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से भी आच्छादित कराया गया है। इसके अलावा छात्राध्यापक प्रतिदिन दोपहर दो से चार बजे तक मंझरिया गांव को अपना कर्मक्षेत्र बनाते हुए शिक्षा देते हैं। इसमें स्वास्थ्य और स्वच्छता को भी शामिल किया गया है।

मिशन मंझरिया की स्मारिका का बृहस्पतिवार को विमोचन करते सीएम योगी आदित्यनाथ व अन्य। स्रोत-विज्ञप्ति

एमपी पीजी कॉलेज के ‘मिशन मंझरिया’ ने बनाया मुख्यमंत्री योगी को मुरीद

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। 'मिशन मंझरिया', एक गांव के कायाकल्प का ऐसा अभियान जिसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अपना मुरीद बना लिया है। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के बीएड विभाग की ओर से गोद लिए गए मंझरिया गांव में छात्रध्यापकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता व शासन की योजनाओं से संतृप्त करने की दिशा में सेवा की नजीर पेश की है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को सीएम योगी ने मिशन मंझरिया के रूप में एमपी पीजी कॉलेज की सेवा साधना

मिशन मंझरिया को सीएम ने गांव के प्रति जिम्मेदारी की 'मॉडल स्टडी' के रूप में सराहा

को गांव के प्रति संस्था की जिम्मेदारी के 'मॉडल स्टडी' के रूप में खूब सराहा। प्रगति रिपोर्ट की स्मारिका का विमोचन करते हुए सीएम ने कहा था कि गांव के प्रति किसी शैक्षिक संस्था की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए, मिशन मंझरिया इसके लिए एक मॉडल स्टडी है।

मिशन मंझरिया को सीएम से मिली सराहना को लेकर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव का कहना है कि इसकी शुरुआत सीएम योगी की ही प्रेरणा से हुई थी। इसमें 2018 से वर्तमान समय तक 'मिशन मंझरिया' बीएड विभाग की अद्वितीय उपलब्धि है।

ऐसे काम होता है मिशन मंझरिया में

बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह के अनुसार, मंझरिया गांव में 178 परिवारों के अंतर्गत 843 की आबादी है। प्रत्येक परिवार को न सिर्फ मिशन के मूल उद्देश्यों से जोड़ा गया है बल्कि उन्हें पात्रता के अनुसार केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से भी आच्छादित कराया गया है। इसके अलावा छात्राध्यापक प्रतिदिन दोपहर दो से चार बजे तक मंझरिया गांव को अपना कर्मक्षेत्र बनाते हुए शिक्षा देते हैं। इसमें स्वास्थ्य और स्वच्छता को भी शामिल किया गया है।

यूं ही मिशन मंझरिया के मुरीद नहीं हैं सीएम योगी

मिशन मंझरिया को मुख्यमंत्री ने गांव के प्रति जिम्मेदारी के मॉडल स्टडी के रूप में सराहा

ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ ही स्वावलंबन की राह दिखा रहा मिशन मंझरिया

2018 से मंझरिया गांव के कायाकल्प का माध्यम बना मिशन मंझरिया

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। मिशन मंझरिया, एक गांव के कायाकल्प का ऐसा अभियान जिसने मुख्यमंत्री योगी को भी अपना मुरीद बना लिया है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के बीएड विभाग की तरफ से गोद लिए गए इस गांव में बीएड के छात्राध्यापकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और शासन की योजनाओं से संतृप्त करने की दिशा में सेवा की नजीर पेश की है। गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम योगी ने मिशन मंझरिया के रूप में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की सेवा साधना को गांव के प्रति संस्था की जिम्मेदारी के मॉडल स्टडी के रूप में खूब सराहा।

सीएम योगी ने गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह शुभारंभ समारोह में महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के मिशन मंझरिया की प्रगति रिपोर्ट स्मारिका का विमोचन करते हुए कहा था कि गांव के प्रति किसी शैक्षिक संस्था की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए, मिशन मंझरिया इसके लिए एक मॉडल स्टडी है। उन्होंने निरक्षरता मिटाने और स्वावलंबन की राह दिखाने के लिए महाराणा प्रताप महाविद्यालय को योजक की भूमिका का सच्चा निर्वहन करने वाला बताया और मिशन मंझरिया को सभी संस्थाओं के लिए अनुकरणीय बताया।

मिशन मंझरिया को मुख्यमंत्री से मिली सराहना को लेकर महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव का कहना है कि मिशन मंझरिया की शुरूआत गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ही प्रेरणा से हुई थी। उनकी प्रेरणा से ही महाविद्यालय ने समीप के गांवों को गोद लेकर ग्रामीणों की शैक्षिक, चिकित्सकीय सेवा और उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाने की शुरूआत मिशन मोड में की। इसमें 2018 से वर्तमान समय तक मिशन मंझरिया बीएड विभाग की अद्वितीय उपलब्धि है। यह मिशन एक गांव में आठ प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में जुटा है।

ऐसे काम होता है मिशन मंझरिया में

मुख्यमंत्री द्वारा मिशन मंझरिया का उल्लेख करने के बाद अब सभी लोग इस मिशन के बारे में जानने को उत्सुक हैं। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह के अनुसार मंझरिया गांव में 178 परिवारों के अंतर्गत 843 की आबादी है। प्रत्येक परिवार को न सिर्फ मिशन के मूल उद्देश्यों से जोड़ा गया है बल्कि उन्हें पात्रता के अनुसार केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से भी आच्छादित कराया गया है। मिशन मंझरिया के तहत महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के बीएड विभाग के छात्राध्यापक पढ़ाई के बाद प्रतिदिन अपराह्न 2 बजे से 4 बजे तक मंझरिया गांव को अपना कर्मक्षेत्र बनाते हैं। वर्ष 2018 में सर्वप्रथम बीएड विद्यार्थियों ने कक्षा एक से 10 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग के नाम पर पढ़ाना शुरू किया। सप्ताहभर में ही करीब 80 विद्यार्थी पंजीकृत हुए और फिर शिक्षा सेवा का यह सिलसिला बढ़ता गया। बच्चों को पढ़ाई के अलावा अन्य सकारात्मक पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल कर व्यक्तित्व विकास की पाठशाला भी शुरू हुई। इसके बाद निरक्षर महिलाओं को शिक्षित करने का अभियान शुरू हुआ। असर यह कि गांव की तकरीबन सभी महिलाएं साक्षर-शिक्षित हो चुकी हैं।

शिक्षा के साथ ग्रामीणों के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर भी जोर

शिक्षा के साथ ही मिशन मंझरिया में स्वास्थ्य और स्वच्छता को शामिल किया गया। इसके तहत श्री गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय के गांव में हर सप्ताह सचल चिकित्सा सेवा की सुविधा ग्रामीणों को मिली। मिशन के शुरूआत से लेकर अब तक साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविरों से 28 हजार से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

वहीं स्वच्छता जागरूकता के क्रम में बीएड विद्यार्थियों द्वारा लगाई जाने वाली कक्षाओं के बाद प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान शिविर का आयोजन शुरू हुआ। इसमें गांव के बच्चे, युवा, बुजुर्ग सभी की सहभागिता हुई। इस शिविर का असर यह हुआ कि सफाई मंझरिया गांव की संस्कृति का हिस्सा बन गई है।

इसी क्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश सिंह, एक घर-एक पेड़ योजनांतर्गत मौलश्री के 101 पौधे लेकर इस मिशन के साझीदार बने। इस पहल से मंझरिया में पौधरोपण कार्यक्रम एक आवश्यक अंग बन गया है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की सराहनीय पहल

मिशन मंझरिया के तहत गांव की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की पहल भी विशेष है। इसमें बीएड की छात्राध्यापिकाओं द्वारा गांव की महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, पेंटिंग आदि का हुनर सिखाया जाता है। महिलाओं को खाद्य संरक्षण कार्यशाला के माध्यम से आम का स्क्वैश, मिक्स फ्रूट जैम, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण से जुड़कर महिलाएं उद्यमिता की ओर उन्मुख हो रही हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि वर्ष 2024 में आयोजित उन्नत भारत ग्राम अभियान सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला रही। इसमें महिलाओं को न केवल प्रशिक्षित किया गया बल्कि आत्मनिर्भरता के लिए 46 महिलाओं को सिलाई मशीन भी मुफ्त दी गई। कई महिलाओं ने घर से टेलरिंग का व्यवसाय शुरू कर दिया है।

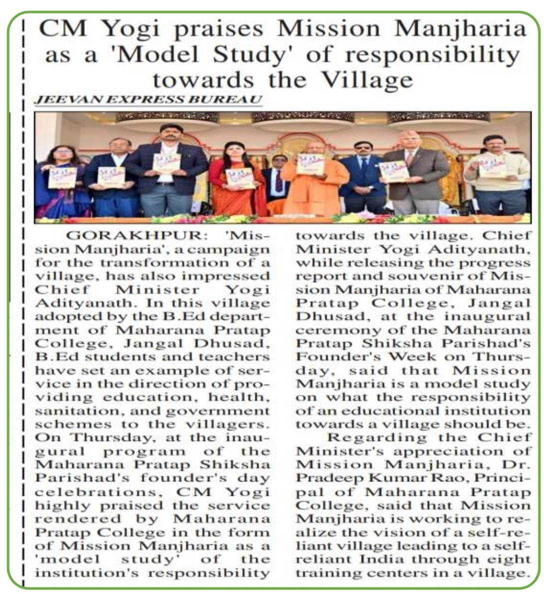

CM Yogi praises Mission Manjharia as a 'Model Study' of responsibility towards the Village

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: 'Mission Manjharia', a campaign for the transformation of a village, has also impressed Chief Minister Yogi Adityanath. In this village adopted by the B.Ed department of Maharana Pratap College, Jangal Dhusad, B.Ed students and teachers have set an example of service in the direction of providing education, health, sanitation, and government schemes to the villagers. On Thursday, at the inaugural program of the Maharana Pratap Shiksha Parishad's founder's day celebrations, CM Yogi highly praised the service rendered by Maharana Pratap College in the form of Mission Manjharia as a 'model study' of the institution's responsibility towards the village. Chief Minister Yogi Adityanath, while releasing the progress report and souvenir of Mission Manjharia of Maharana Pratap College, Jangal Dhusad, at the inaugural ceremony of the Maharana Pratap Shiksha Parishad's Founder's Week on Thursday, said that Mission Manjharia is a model study on what the responsibility of an educational institution towards a village should be.

Regarding the Chief Minister's appreciation of Mission Manjharia, Dr. Pradeep Kumar Rao, Principal of Maharana Pratap College, said that Mission Manjharia is working to realize the vision of a self-reliant village leading to a self-reliant India through eight training centers in a village.

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन "ध्येय पथ" नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिसम्बर माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।